भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3213
दिनांक 06 अगस्त, 2026

लक्षद्वीप में एलपीजी सिलेंडरों के लिए परिवहन राजसहायता

†3213. **श्री हमदुल्ला सईदः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार लक्षद्वीप द्वीपसमूह के निवासियों द्वारा समुद्री परिवहन पर अत्यधिक व्यय के कारण घरेलू रसोई गैस पर वहन की जा रही उच्च लागत से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या द्वीपसमूह को आपूर्ति किए जाने वाले तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों के लिए पृथक परिवहन राजसहायता प्रदान करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) द्वीपसमूह में रहने वाले उपभोक्ताओं को घरेलू ईंधन की किफायती तथा निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): लक्षद्वीप के द्वीपों में एलपीजी का वितरण वर्तमान में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा लक्षद्वीप सहकारी विपणन संघ (एलसीएमएफ) के माध्यम से किया जाता है, जिसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत लक्षद्वीप प्रशासन के थोक एजेंट के रूप में नामित किया गया है।

दिनांक 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार कोच्चि में घरेलू एलपीजी का खुदरा बिक्री मूल्य 949 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर है। जबकि लक्षद्वीप में मूल्य का निर्धारण, एलसीएमएफ द्वारा उपभोक्ताओं से केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न द्वीपों में सिलेंडर लाने हेतु अतिरिक्त परिवहन और हैंडलिंग शुल्क सहित केरल के कोच्चि बाजार पर आधारित है। परिणामस्वरूप, लक्षद्वीप के द्वीपों में घरेलू एलपीजी का खुदरा बिक्री मूल्य कोच्चि की तुलना में अधिक है।

लक्षद्वीप के विभिन्न द्वीपों में खुदरा बिक्री मूल्य लक्षद्वीप सहकारी विपणन संघ (एलसीएमएफ) द्वारा सिलेंडरों की प्लेसमेंट पर किए गए खर्च के आधार पर द्वीप- द्वीप में अलग-अलग होता है। परिवहन शुल्क, हैंडलिंग और पोर्ट शुल्क आदि पर किए गए खर्च की राशि एलसीएमएफ द्वारा निर्धारित की जाती है और एलपीजी उपभोक्ताओं से वसूली जाती है।

आईओसीएल ने लक्षद्वीप के द्वीपों में निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लक्षद्वीप के विभिन्न द्वीपों में एलपीजी सिलेंडरों के प्लेसमेंट हेतु दो समुद्री जहाजों एमवी एलिकलपेनी और एमवी गंगा को किराए पर लिया है, जिससे अतिरिक्त लागत आती है, जो वर्तमान में आईओसीएल द्वारा वहन की जा रही है।

*****